प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली: 16 जनवरी 2022

सीनियर रैंकों में अच्छा प्रदर्शन करने पर विश्व नंबर 1 तस्नीम मीर ने ध्यान दिया

नई दिल्ली, 16 जनवरी: 16 वर्ष की तस्नीम मीर विश्व रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने कहा उनका एकमात्र ध्यान सीनियर रैंक में भी अच्छा प्रदर्शन करना है। गुजराती लड़की का ओलंपिक खेलों में भाग लेने का दृढ़ संकल्प है।

"मैं हमेशा अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूँ। यह [विश्व नंबर 1 रैंक] बढ़ावा देता है और मैं वरिष्ठ श्रेणी के लिए भी इस निरंतरता को बरकरार रखना चाहती हूं। " तसनीम मीर ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा संचालित वर्चुअल मीडिया बातचीत में कहा "जब मैं सीनियर टूर्नामेंट खेलती हूं, वास्तव में, ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करूँगी और निश्चित रूप से अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूँ, ।"

तस्नीम मीर ने, बैडमिंटन विश्व संघ के जूनियर टूर्नामेंट में विश्व रैंकिंग में पोल स्थिति में अपना स्थान सुदृढ़ करने के लिए तीन खिताब जीते। पिछले चार वर्ष से गुवाहाटी में इंडोनेशियाई प्रशिक्षक एडविन इराइवान के नेतृत्व में प्रशिक्षण ले रही हैं। "एडविन महोदय बहुत अनुभवी हैं। मैंने उनके नेतृत्व में काफी सुधार किया है। वह मुझे सीनियर खिलाड़ी खासकर पुरुष खिलाडी के साथ खिलाते है। पुरुषों के साथ प्रतिस्पर्धा करने से मुझे मदद मिली है।"

दो साल तक भाखेप्रा -गोपीचंद अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाली, उसे खेल में उजागर करने के लिए तस्नीम मीर अपने पिता इरफान मीर की ऋणी हैं । "चूंकि वह एक प्रशिक्षक है, वह मुझे पिछले 7 वर्षों की उम्र से स्टेडियम ले जाता था।"
मुझे खेल से प्यार हो गया और मैंने नियमित अभ्यास करना शुरू कर दिया। तब से, मैंने राज्य स्तरीय टूर्नामेंटों में भाग लिया और पूरी तरह से खेलों में आ गई। मैंने कभी किसी अन्य खेल खेलने के बारे में नहीं सोचा। मेरे पिता ही मेरी एकमात्र प्रेरणा हैं।"

जुलाई 2020 में खेलो इंडिया स्कॉलर, तसनीम मीर को लक्ष्य ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के विकास समूह में शामिल किया गया है। " प्रायोजन हमेशा मदद करता है। मेरे जीवन में भाखेप्रा ने बहुत समर्थन किया है। बैडमिंटन एक महंगा खेल है और टूर्नामेंट का खर्च उठाना मुश्किल है। इन योजनाओं ने मेरा समर्थन किया और मुझे टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने में मदद की।"

उनकी मदद करने वाली मनोवैज्ञानिक का कहना है कि तसनीम मीर कुछ वर्षों से परिपक्व हुई है। "मेरे मनोवैज्ञानिक हमेशा मुझे हारने पर भी प्रेरित करता है। उनका कहना है कि असफलता जीवन का हिस्सा है। मैं जानती हूं कि भारत में अब भी वहां बहुत सारे अच्छे खिलाड़ी हैं और मुझ पर थोड़ा दबाव और जिम्मेदारी है क्योंकि राष्ट्र अपनी उम्मीद मुझ पर टिकाए हुए है। तथापि, मैं खुद को बेहतर बनाने पर विचार कर रही हूं।"
ईओएम